Maulana Mazharul Haque Teachers' Training College

مولانا مظہر الحق ٹیچرس ٹریننگ کالج

Recognised by ERC, NCTE, Bhubaneswar,
Affiliated to L.N. Mithila University, Darbhanga & B.S.E.B., Patna

MATHURAPUR, SAMASTIPUR - 848101 (BIHAR) INDIA

PARENT-TEACHERS MEETING RECORD

Course B.Ed **Session** 2022-24

Name Manisha kumari

Class Roll No. 220036

Board/ University Roll No. 2341149

Reg. No. 18412102464 Year 2024

Date _____

* Parent-Teachers meeting

* उद्देश्य :—

→ Parents Teacher meeting विद्यालय और घर के मध्य घनिष्ठ संबंध को बनाना।

→ घर और समुदाय में बच्चो के कल्याण को बढ़ावा देना।

Scanned with OKEN Scanner

Date

→ बच्चों के कार्य निष्पादन पर संयुक्त विचार विमर्श को साक्षदार बनाना।

→ बच्चों के न पढ़ने के कारणों, पढ़ाई मे मन न लगना, समझ न आना पढ़ाई करने मे हो रही दिक्कतों का पता लगाना आदि।

* आयोजन :—
दिनाँक 6/01/2024 को हमारे विद्यालय मे एक Parents Teacher meeting हुई जिसमे विद्यार्थी अपने अभिभावक के साथ आए। जिसमें लगभग 86 अभिभावक उपस्थित हुए। इस meeting मे हमने कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर अभिभावकों के साथ चर्चा की, जो निम्नलिखित है।

1. पढ़ने मे परेशानी तथा गृह कार्य पूरा न होना :—
इसमें अभिभावकों से हमने यह जानने का प्रयास किया कि

Scanned with OKEN Scanner

Date _____

उनके बच्चो को किस subject में और क्यों परेशानी होती है। क्या बच्चों को teacher द्वारा पढ़ाया गया समझ नहीं आता या वे घर पर अपना काम नहीं करते है, जिस कारण वे बाकी बच्चो से पीछे या कोई और वजह है। पढ़ने मे रूचि कैसे जगाना है, बच्चो से कैसे उनका गृहकार्य पूरा करना है। तथा साथ ही साथ उसके शारीरिक विकास को कैसे बढ़ाना है, या सही ढंग से पूरा करना है। आदि मुद्दो पर हमने चर्चा की ताकि बच्चे का भविष्य को सही दिशा प्रदान की जाए।

२. बच्चों की कम उपस्थिति का कारण :—

हमने अभिभावको से यह जानने का प्रयास किया कि स्कूलो में इतनी सुविधा होने (जैसे - मीड डे मील्स, सभी विषयो की पढ़ाई, इस के लिए पैसा, साथ ही खेल कूद आदि) होने के बावजूद भी बच्चे प्रतिदिन विद्यालय क्यों नहीं जा पा रहे है।

Date

क्या कारण है, क्या वे स्कूल के लि
निकलते है, या घर से ही नही आ
रहे है। विद्यालय के लिए, तो बहुत स
अभिभावकों ने बताया कि वे तो रो
आ रहे है, कुछ ने बताया कि वे
कभी-कभी उनके कामों मे मदद कर
है, जिस कारण वे कभी-कभी अप
वर्ग मे अनुपस्थित हो जाते है। कुछ
ने बताया वे अपना गृहकार्य पूरा
न कर पाते है, जिस कारण वे
नहीं आते है। कुछ अभिभावको ने यह
भी बताया कि कुछ सीनियर बच्चे उन्हे
परेशान करते है, जिस वजह से वे
नहीं आना चाहते है। कुछ ने यह भी
बताया कि शिक्षकों का डर, शिक्षको का
क्रूरतापूर्ण व्यवहार भी बच्चों की कम
उपस्थिति का एक बडा कारण है।

3. सरकारी योजनाओ का लाभ :-
ऐसे तो हम अभिभावकों
या वे हमी से नहीं मिल पाते तो
हमने इसी दौरान सोचा कि ये बात
भी पूछ लीजाए कि उनके बच्चों को

Date _____

सरकारी योजना का लाभ मिल तो रहा है न। जैसे- ड्रेस के लिए पैसा, पुस्तको के लिए पैसा आदि। तब अभिभावकों ने बताया कि हमे मिल रहा है, कुछ ने बताया बच्चे देते ही नही है, खुद खर्च करके देते है, कुछ ने बताया बच्चो की कम उपस्थिति के कारण उन्हे नही मिल रहा है, तो कुछ ने इस पर आभार प्रकट करते हुए कहा हाँ मिल रहा है, जिस वजह से मेरे बच्चे आगे पढ़ पा रहे है, तथा आगे बढ़ रहे है, वे उन पैसो को संभाल कर रखते है। तथा उससे ही कॉपी - किताब, पेन, पेंसिल आदि जरूरतो का समान खरीदते है। हम तो इतने गरीब है, कि अपने बच्चो को ये भी न दे पाएँ उन्होने सरकार को धन्यवाद किया बहुत सी अच्छी योजनाओ के चलते।

4. यूनिफार्म - बच्चो के यूनिफार्म को लेकर अभिभावको ने कहा बताया कि एक ही

Date _____

यूनिफॉर्म होने के वे रेगूलर यूनिफॉर्म में नहीं आ पाते है। कुछ ने ये भी कहा कि विद्यालय से आने के बाद वे यूनिफॉर्म को उतारते नही है पहने ही रहने के कारण वे गंदी हो जाती है जिस वजह से वे यूनिफॉर्म मे नहीं आ पाते है। खेल-कूद के दौरान बच्चो का युनिफार्म फट जाना भी, यूनिफॉर्म मे नही आने का एक बड़ा कारण है। इसलिए शिक्षको को यह बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि खेल-कूद के लिए किसी एक या दो दिनो को निर्धारित करें और उस दिन बच्चो को formal dress मे ही बुलाए। ताकि उनका यूनिफार्म सुरक्षित रहे। यूनिफार्म को किसी तरह की क्षति न हो। न ही गंदा हो, या न ही फटे ताकि वे आगे उनका उपयोग कर सकें।

5. सुंदर लिखावट :—

के हमने अभि- Parents teacher meeting भावकों से बच्चों की handwriting के लेकर भी बात की। क्योंकि

Scanned with OKEN Scanner

Date _____

कहीं-न-कहीं यह माना जाता है कि मनुष्य की handwriting उसके व्यक्तित्व का दर्पण है और एक अच्छी hand-writing से बच्चों में आत्मविश्वास भी आता है। तथा वे ही खुद अच्छे से पढ़ सकते है, समझ सकते है। और वे अच्छे से लिख ही नही पाएँगे तो वे क्या समझेंगे और जब समझ नही पाएँगे तो वे Home work कैसे पूरा करेंगे। और अगर उनकी Handwriting अभिभावक या शिक्षक भी न समझ पाएँगे तो वे उनकी मदद भी न कर पाएँगे उनके काम को पूरा कराने मे तो Handwriting का पढ़ाई की दुनिया मे बहुत बड़ा योगदान है। इसका बहुत महत्व है। Writen exam के द्वारा उस बच्चे की कॉपी का मूल्यांकन करना बहुत कठिन हो जाता है, जिसकी Handwriting बहुत ही गंदी है। शिक्षको की समझ मे न आने के कारण पढ़ने मे सही बच्चे का नम्बर कम हो जाता है जान तो

Date _____

है, उसके पास लेकिन दूसरे तक वह सही रूप से न पहुँच पाने के कारण वह बच्चा पीछे हो जाता है। उसका मनोबल टूट जाता है। पढ़ाई के प्रति उसकी रूचि खत्म होने लगती है तो उस समय हम शिक्षको तथा अभिभावकों का यह फर्ज है कि उसे समझाएँ उसकी Handwriting को सही करने के लिए उसे प्रेरित करें, उसे एक सही दिशा प्रदान करें, ताकि बच्चा अपनी कमी को दूर करें न कि अपना आत्मबल खो दे। बच्चो को समय-समय पर जागरूक करते रहना चाहिए, जिसके लिए हम विद्यालय मे कभी-कभी Hand writing competition भी करवा सकते है। ताकि बच्चा अपनी Hand writing को सही करने की कोशिश करे।

6. आत्म-विश्वास की कमी :— PTM के द्वारा हमने अभिभावकों से बच्चो के अंदर आत्म-विश्वास को लेकर चर्चा की। जिसमें

Date _____

हमने यह बात की कैसे बच्चो का आत्म विश्वास बढ़ाया जाए, साथ ही अभिभावक भी इस बात पर ध्यान दें कि वे भी कैसे अपने बच्चो का आत्म-विश्वास बढ़ाए ना की उसे तोड़े। बहुत ऐसे अभिभावक होते है जो बच्चो को किसी काम को करने से पहले ही या तो डाँट देते है, या गुस्सा करते है, नही तो ये बोलकर कि उससे ये काम नही होगा उसका मनोबल तोड़ देते है। जिसके कारण बच्चा आसान काम को भी शुरू करने से पहले डरता है, या Parents के गुस्से के कारण कुछ नही कर पाता है। उसके अंदर आत्म-विश्वास की कमी हो जाती है। उसे हर काम कठिन और उससे न होनेवाला लगता है। अभिभावकों को इस बात कि ध्यान रखना चाहिए कि वे उसकी काम को देखे, उसे समझाएँ उसकी काम को सही दिशा प्रदान करें।

7. बच्चो के मन को समझना :—

इस दौरान हमने और अभिभावकों ने इस मुद्दे पर भी बात की, कि हमे

Date _____

बच्चों के मन को समझना पड़ेगा। तब ही हम उनको सही ढंग से समझा पाएँगे। साथ ही उनके अंदर एक सही सोच का बीज डाल पाएँगे। बच्चे के मन को समझना बेहद जरूरी है। अगर कोई अभिभावक अपने बच्चे को मन को समझ लें, तो उनका बच्चा कभी गलत दिशा में नहीं जाएगा। वे जरूर ही एक अच्छा नागरिक, एक अच्छा इंसान, एक अच्छा समाजसेवक बनेगा। इसलिए बच्चे के मन को समझने की कोशिश करें। साथ ही साथ उसे समझाने की हर संभव प्रयास करें। कभी-कभी ऐसा भी देखा गया है कि यदि बच्चों को मन का कुछ पुरा न होता है, तो वे गुस्सैल, चिड़चिड़े बन जाते है। साथ ही अभिभावकों से बहस भी कर लेते है तो ध्यान रखें इस बात को। और हाँ कभी-कभी बच्चों के मन का हमेशा करने से भी बच्चे बिगड़ जाते है उनके मन में ये आ जाता है कि उनके Parents उनके लिए सब-कुछ कर सकते है तो इस स्थिति में ये ध्यान रखें कि बच्चों के मन का वही करें जो सही हो जिसका

Date _____

* प्रतिपुष्टि :-

Parents Teacher meeting के दौरान दोनों पक्षों ने बच्चों के अनुसार अपने पक्ष को रखते हुए, उसके कमी को सुधार करने का प्रयास करने के साथ-साथ उसकी उपलब्धियों पर भी बात की गई। इस उपलब्धि को बढ़ाने के लिए तथा बनाए रखने के लिए आपस में कामों को निर्धारित किया गया, क्योंकि किसी बच्चे के विकास में दोनों पक्षों का बराबर का योगदान है सिर्फ Teacher या सिर्फ Parents अकेले इस काम को नहीं कर सकते इसके लिए Teacher तथा Parents दोनों को साथ मिलकर काम करना होगा, तभी किसी भी बच्चे का सर्वांगीण विकास संभव है, School में Teacher को अच्छे से ध्यान देना होगा और घर पर Parents को अपने बच्चे का गृह कार्य पूरा करवाने के साथ-साथ उसके व्यवहार, उसके कामों पर नजर रखना होगा, तब ही कोई बच्चा सही दिशा में संलग्न हो पाएगा।

Date _____

इस बात को समझते हुए हमलोगों ने बजाए एक-दूसरे के आरोप के, हमने विकास की बात की।

फलतः अभिभावक एवं शिक्षक के बीच संबंध में सुधार हुआ तथा दोनो पक्ष एक-दूसरे का सम्मान एवं एक-दूसरे पर विश्वास करने लगे। दोनो पक्षों में बच्चों के प्रति उत्तरदायित्व बोध में वृद्धि हुई। जो अंततः बच्चो के व्यक्तित्व विकास में मददगार होगा। साथ ही एक अच्छे भविष्य की रचना की नींव भी कही जाएगी।

Date _____

* मेरा अनुभव :—

इसी meeting के दौरान मैंने बहुत सारे अभिभावकों से बात की। साथ ही कुछ नाकारात्मक तथा साकारत्मक पहलुओं को सुना, उसे समझा तथा समझाने की कोशिश की। बच्चो की कमियों तथा उनकी उपलब्धि पर चर्चा की, कमियो के कारणों का पता लगाया साथ ही उसे समझने की कोशिश के साथ-साथ दूर करने का निश्चित भी किया।

बहुत सारे अभिभावको के पक्ष को सुनने के बाद मेरा अनुभव यह रहा कि किसी बच्चे के विकास मे बहुत सारे पहलुओं को ध्यान रखना पड़ेगा। बच्चो पर शिक्षक तथा अभिभावक के साथ-साथ उसके मित्र, उससे मिलनेवाले परिजन सब प्रभाव डालते है। बच्चो के विकास मे वातावरण, समाज, मीडिया सब प्रभाव डालते है। उसकी सोच लोगो के अनुसार वातावरण तथा मीडिया के अनुसार बदलती रहती है। वे इस बात को

Date _____

लेकर उलझते भी हैं। सही गलत में फर्क करने की कोशिश भी करते हैं, कभी कर पाते हैं तो कभी नहीं भी कर पाते। जिससे वे किसी गलत सोच या गलत मनोवृति का शिकार हो जाते हैं, तथा कुछ उल्टी-सीधी हरकत या कोई उल्टा-सीधा काम करने लग जाते हैं साथ ही नशे का भी शिकार हो जाते हैं। क्योंकि उन्हें इस विषय में पता ही नहीं होता है, इससे होनेवाले हानि के बारे में पता न होने के कारण वे इस दलदल में फँस जाते हैं और चाहकर भी नहीं निकल पाते हैं।

तो इस पर मेरा अनुभव यह है कि Parents तथा Teacher दोनों को मिलकर बच्चों को हर-तरह का सोच से अवगत कराएँ साथ ही उसमें सही गलत को बताएँ उससे होने वाली हानियाँ भविष्य में उसके कारण आनेवाले प्रभाव आदि से अवगत कराएँ। Parent को बच्चों का ध्यान रखने की बहुत जरूरत है, वे क्या पढ़ रहे हैं,

Date _____

क्या देख रहे है, क्या खा रहे है, क्या पी रहे है। कैसे लोगो से मिल रहे है, कहाँ जा रहे है आदि। क्योकि एक Teacher इस सब पहलुओं पर तो ध्यान नहीं दे सकते न जबकि पढ़ाई मे कमी का एक बड़ा कारण ये भी है। हाँ मै मानती हूँ कि शिक्षक सही गलत की सोच रख सकते है इस बारे मे बता सकते है। समझा सकते है, लेकिन वे देखभाल नहीं कर सकते है कि बच्चे ये कर रहे है या नही ये Parents को ही करना पड़ेगा कि वे बच्चे के मन को समझे सही-गलत के बीच अंतर समझाएँ, उसे सही दिशा की ओर अग्रसर करें प्रेरित करें, सही दिशा मे लगाए। बच्चो को घुमाएँ तथा उन्हे महापुरुषों की जीवन आदि की किताबे लाकर दें जिससे बच्चो अच्छी ज्ञान को अर्जित कर सके।

Parents और Teacher दोनो को मिलकर ही बच्चे का भविष्य बनाना उसे सही दिशा प्रदान करना है। और

Date _____

ये तभी मुमकीन है जब दोनो मिलकर काम करें। तभी किसी बच्चे का सर्वांगीण विकास सही ढंग से हो पाएगा।

साथ ही उसके भविष्य को एक ही दिशा मिल पाएगी। वे भविष्य मे एक अच्छे नागरिक एक व्यक्तित्व के रूप मे उभर कर आएंगे, जिस पर दुनिया को नाज होगा। लोग उनसे सीख लेंगे, उनकी तरह बनने का सोचेंगे।